



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

17/9

सं. 53]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 18, 2002/फाल्गुन 27, 1923

No. 53]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 18, 2002/PHALGUNA 27, 1923

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 मार्च, 2002

सं. टीएएमपी/120/2001-एमओपीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार लिक्विड अमोनिया पर घाटशुल्क प्रभार निर्धारित करने के लिए मुरगांव पत्तन न्यास की दरों के मान में संशोधन करता है।

अनुसूची

मामला सं. टीएएमपी/120/2001-एमओपीटी

मुरगांव पत्तन न्यास (एमओपीटी)

आवेदक

आदेश

(मार्च, 2002 के 11वें दिन पारित)

यह मामला लिक्विड अमोनिया के प्रहस्तन के लिए घाटशुल्क प्रभारों के निर्धारण हेतु मुरगांव पत्तन न्यास से प्राप्त प्रस्ताव से संबंधित है।

2.1 एमओपीटी ने अपने प्रस्ताव में निम्नलिखित बातें कही हैं :—

- (i) एमओपीटी की दरों के मान में लिक्विड अमोनिया प्रहस्तन के लिए घाटशुल्क प्रभार शामिल नहीं है, क्योंकि पहले एमओपीटी में लिक्विड अमोनिया का प्रहस्तन नहीं किया जाता था।
- (ii) लिक्विड अमोनिया के प्रहस्तन की संभावना है और ऐसे में इसके लिए दर निर्धारित करना आवश्यक है। मै. जुआरी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जेडआईएल) एमओपीटी के माध्यम से लिक्विड अमोनिया आयात करने की कार्यवाही कर रहा है।
- (iii) इसी प्रकार के उत्पाद के प्रहस्तन के लिए अन्य महापत्तनों में प्रचालित दरें प्राप्त की गई हैं; और, एलपीजी की घाटशुल्क दर (अर्थात् 125 रुपए) के अनुरूप, न्यासी बोर्ड द्वारा 150 रुपए प्रति टन की अस्थायी दर अपनाने का निर्णय इस शर्त पर लिया गया कि जब वर्ष 2002 में दरों के मान में सामान्य संशोधन का प्रस्ताव अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा तब इस दर पर पुनर्विचार किया जाएगा।

2.2 एमओपीटी का प्रस्ताव गोवा चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और मै. जुआरी इंडस्ट्रीज लिमिटेड को टिप्पणियों के लिए परिचालित किया गया था।

3.1 उनसे प्राप्त टिप्पणियों का सार इस प्रकार है :—

मै. जुआरी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जेडआईएल)

- (i) एनएमपीटी जैसे अन्य महापत्तनों द्वारा 85 रुपए प्रति मि.ट. घाटशुल्क प्रभार वसूल किए जा रहे हैं और हमारा अनुरोध है कि एमओपीटी में भी इसी दर को लागू किया जाए।
- (ii) सभी लघु पत्तन बहुत कम घाटशुल्क वसूल करते हैं; और, इसलिए अमोनिया के अन्य आयातक के संदर्भ में यह प्रतिस्पर्धी नहीं होगा, क्योंकि उर्वरक एक नियंत्रित वस्तु है।

3.2 गोवा चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने कोई टिप्पणी नहीं भेजी है।

4. इस मामले की संयुक्त सुनवाई 29 जनवरी, 2002 को गोवा में एमओपीटी में हुई थी। संयुक्त सुनवाई में निम्नलिखित निवेदन किए गए थे :—

मुरगांव पत्तन न्यास (एमओपीटी)

- (i) हम नए कार्गो लाना चाहते हैं। यह हमारे 'विपणन' की लागत है। हम लिक्विड अमोनिया के लिए नया घाटशुल्क तत्काल लागू करना चाहते हैं।
- (ii) लिक्विड अमोनिया का प्रहस्तन आबादी के निकटवर्ती स्थान पर किया जाता। अतः इसमें सुरक्षा का प्रश्न भी जुड़ा है, जिसमें लागत संबंधी उलझनें हैं।
- (iii) लागत विवरण नहीं दिए गए हैं। यह एलपीजी जैसा जोखिम वाला कार्गो है। हमने एलपीजी के 125 रुपए प्रति मि.ट. के संदर्भ में ही यह दरें प्रस्तावित की हैं।
- (iv) इस कार्गो के प्रहस्तन के लिए जनता द्वारा विरोध किए जाने के कारण बहुत कुछ सामाजिक विपणन करना होगा। हमें सुरक्षा के अतिरिक्त उपाय करने होंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में एलपीजी के समान दर प्रस्तावित की गई है।
- (v) हम इस कार्गो को आकर्षित करना चाहते हैं अतः हम इसकी दर को लागू करना चाहते हैं। बोर्ड ने यह तर्क देते हुए प्रस्तावित दर में वृद्धि की है कि यदि इसमें अभी ही वृद्धि कर दी जाती है तो मार्च, 2002 में प्रशुल्क के सामान्य संशोधन के समय इसमें वृद्धि करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

मै. जुआरी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जेडआईएल)

- (i) एनएमपीटी में घाटशुल्क प्रभार 85 रुपए प्रति मि.ट. है। सभी अन्य पत्तनों में भी अमोनिया के लिए यही घाटशुल्क दरें हैं। केवल एमओपीटी ने ही इतनी अधिक दर का प्रस्ताव किया है।
- (ii) एलपीजी और लिक्विड अमोनिया के बीच कोई तुलना नहीं की जा सकती। एलपीजी के लिए 125 रुपए के संदर्भ में और 150 रुपए प्रति मि.ट. न किया जाए।
- (iii) सामान्य संशोधन के समय कोई भी अपेक्षित सुधार किया जा सकता है।

5. इस मामले की कार्यवाही के दौरान एकत्र की गई समग्र सूचना के संदर्भ में और संयुक्त सुनवाई में दिए गए तर्कों को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित स्थिति प्रकट होती है :—

- (i) एमओपीटी की दरों के मान में लिक्विड अमोनिया के लिए विशेष घाटशुल्क प्रभार नहीं है। एमओपीटी की दरों के मान में निर्धारित बल्क वस्तुओं की अधिकतम घाटशुल्क दर एलपीजी के लिए 125 रुपए मि.ट. है। प्रारम्भिक प्रस्ताव लिक्विड अमोनिया पर भी यही दर वसूल करने का था। परन्तु एमओपीटी के न्यासी बोर्ड ने लिक्विड अमोनिया पर 150 रुपए प्रति मि.ट. का अस्थायी घाटशुल्क प्रभार अपनाने का निर्णय लिया है। एमओपीटी द्वारा उपलब्ध कराए गए रिकॉर्ड में, लिक्विड अमोनिया पर प्रस्तावित घाटशुल्क दर एलपीजी की दर से अधिक पर निर्धारित करने के लिए विचार किए गए कारकों में से एक कारक आयातकों के लिए परिवहन में लागत बचत का होना है।
- (ii) एमओपीटी ने प्रस्तावित दर को उचित प्रमाणित करने के लिए कोई लागत विश्लेषण नहीं दिया है। इसने केवल एलपीजी के लिए उपलब्ध दर और अन्य पत्तनों में प्रचलित दरों को ध्यान में रखा है।

- (iii) यह भी उल्लेखनीय है कि लिक्विड अमोनिया जोखिम वाला कार्गो है और पत्तन को इस प्रहस्तन के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय करने होंगे। एमओपीटी ने इस कार्गो के प्रहस्तन में जनता द्वारा विरोध किए जाने और इस कार्गो को एमओपीटी में लाने के लिए सामाजिक विपणन के लिए किए जाने वाले प्रयासों का भी उल्लेख किया है।
- (iv) जेडआईएल ने एलपीजी और लिक्विड अमोनिया के बीच तुलना करने पर आपत्ति की है। परन्तु उसने ऐसे कोई कारण नहीं दिए हैं कि ऐसी तुलना क्यों न की जाए।
- (v) यह प्राधिकरण कई अन्य मामलों में स्पष्ट कर चुका है कि प्रशुल्क निर्धारण के सिद्धांत सामान्यतः सभी महापत्तनों पर लागू होंगे; परन्तु अलग-अलग प्रशुल्क दरों के मामले में अन्य पत्तनों पर ये सिद्धांत लागू करने की आवश्यकता नहीं होती (और, न ही किए जा सकते)। संबंधित पत्तन में सेवाएं प्रदान करने की लागत ही मुख्यतः प्रशुल्क निर्धारित करने के लिए प्रासंगिक है। प्रयोक्ताओं को होने वाले लाभ की बात प्रशुल्क मद के निर्धारण अथवा संशोधन का कारण नहीं हो सकती। यह तर्क इस प्राधिकरण द्वारा लौह-अयस्क व्यापार को होने वाले लाभों को उद्धृत करके प्रशुल्कों में वृद्धि करने के एमओपीटी के प्रस्ताव के संदर्भ में पहले ही दिया जा चुका है।
- (vi) इस प्राधिकरण द्वारा स्पष्ट की गई उपर्युक्त सामान्य स्थिति के होते हुए भी, वर्तमान मामले में अन्य पत्तनों के प्रशुल्कों का संदर्भ देना तीन कारणों से आवश्यक है। प्रथम, एमओपीटी द्वारा लिक्विड अमोनिया प्रहस्तन के लिए लागत व्यौरे उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। वास्तव में इसने एक विशेष वस्तु के प्रहस्तन के लिए लागत व्यौरे देने में असमर्थता व्यक्त की है। द्वितीय, एमओपीटी ने लिक्विड अमोनिया पर घाटशुल्क निर्धारित करने के लिए एलपीजी की घाटशुल्क दर को आधार बनाया है। इस संबंध में अन्य पत्तनों में प्रचलित स्थिति का विश्लेषण करना होगा। अन्त में, एमओपीटी ने स्वयं स्वीकार किया है कि प्रस्तावित घाटशुल्क दर निर्धारित करने से पहले उसने अन्य महापत्तनों की घाटशुल्क दरों को ध्यान में रखा है।
- (vii) लिक्विड अमोनिया की घाटशुल्क दर एमबीपीटी को छोड़कर अन्य पत्तनों में एलपीजी की दर की अपेक्षा सामान्यतः कम है। यह उल्लेखनीय है कि कुछ पत्तनों की घाटशुल्क अनुसूचियों में लिक्विड अमोनिया के लिए विशिष्ट प्रविष्टि नहीं है; और, इसलिए इसे अन्य लिक्विड बल्क के अधीन वर्गीकृत किया जाए। एमबीपीटी में भिन्न स्थिति इस तथ्य के कारण प्रकट होती है कि एलपीजी का प्रहस्तन जवाहरदीप में किया जाता है जबकि लिक्विड केमिकलों का प्रहस्तन इसकी पीर पाउ जेट्टियों में किया जाता है। अन्य पत्तनों में लिक्विड अमोनिया और एलपीजी की घाटशुल्क दरों के बीच अन्तर 34% (एनएमपीटी में) से 72% (टीपीटी में) है।
- (viii) अन्य पत्तनों (एमबीपीटी को छोड़कर) में प्रचलित स्थिति से यह स्पष्ट होता है कि लिक्विड अमोनिया की घाटशुल्क दर एलपीजी की घाटशुल्क दर से अधिक (अथवा, उसके बराबर भी) निर्धारित करने का कोई औचित्य नहीं है। लिक्विड अमोनिया और एलपीजी की घाटशुल्क दरों में लगभग 75% के न्यूनतम अन्तर को ध्यान में रखकर लिक्विड अमोनिया के लिए घाटशुल्क दर लगभग 95 रुपए प्रति मी. टन निर्धारित की जा सकती है।
- एमओपीटी की वर्तमान घाटशुल्क अनुसूची में 76° एफ से कम स्फुरणक वाले सभी खनिज तेलों/पीओएल उत्पादों के लिए 99 रुपए प्रति मी. टन की दर निर्धारित है। हालांकि लिक्विड अमोनिया इस श्रेणी के अंतर्गत नहीं आता है, तथापि सूचीबद्ध वस्तुओं एवं लिक्विड अमोनिया की जोखिमपूर्ण प्रकृति को देखते हुए 99 रुपए प्रति मी. टन की घाटशुल्क दर अपना उचित प्रतीत होता है।
- (ix) एमओपीटी ने प्रस्तावित दर को पूर्वव्यापी प्रभाव से अनुमोदित करने का अनुरोध नहीं किया है। किन्तु, एमओपीटी ने न्यासी बोर्ड द्वारा लिए गए निर्णय के बल पर नवम्बर, 2001 से 150 रुपए प्रति मी. टन की प्रस्तावित दर अपनाई हुई है। चूंकि अब अनुमोदित दर अपनाई गई दर से कम है, इसलिए प्रयोक्ता उस सीमा तक सहत पाने का हकदार होगा; और, एमओपीटी को अपने बनाए गए बिलों को समायोजित करना होगा। इसकी सुविधा के लिए, यह प्राधिकरण लिक्विड अमोनिया पर घाटशुल्क दर नवम्बर, 2001 से पूर्व प्रभाव से अनुमोदित करता है।
- (x) एमओपीटी की दरों के मान में अगला सामान्य संशोधन/पुनर्विचार जून, 2002 में किया जाना है। लिक्विड अमोनिया के लिए निर्धारित दर पर पुनर्विचार अगले सामान्य संशोधन/पुनर्विचार के समय किया जाएगा। अगले सामान्य संशोधन/पुनर्विचार के लिए अपना प्रस्ताव तैयार करते समय, एमओपीटी के लिए यह उचित होगा कि वह विशेष रूप से लिक्विड अमोनिया के प्रहस्तन और सभी सामान्यतया बल्क कार्गो के लिए मात्रा छूट योजना शुरू करे।

6. परिणामस्वरूप, उपर्युक्त तर्कों और समग्र विचार-विमर्श के आधार पर यह प्राधिकरण लिक्विड अमोनिया पर नवम्बर, 2001 से पूर्व प्रभाव से 99 रुपए प्रति मी. टन की घाटशुल्क दर का अनुमोदन करता है। एमओपीटी को अपनी दरों के मान में तदनुसार लिक्विड अमोनिया की घाटशुल्क दर शामिल करने का निदेश दिया जाता है।

एस. सत्यम, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/143/असाधारण/2001]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th March, 2002

No. TAMP/120/2001-MOPT.—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby amends the Scale of Rates of the Mormugao Port Trust to ~~prescribe~~ wharfage charge on liquid ammonia as in the Order appended hereto.

SCHEDULE

Case No. TAMP/120/2001-MOPT

The Mormugao Port Trust (MOPT)

— — —

Applicant

ORDER

(Passed on this 11th day of March 2002)

This case relates to a proposal received from the Mormugao Port Trust (MOPT) for fixation of wharfage charges for handling Liquid Ammonia.

2.1. In its proposal, the MOPT has made the following points:

- (i). The Scale of Rates of the MOPT does not contain wharfage charges for handling Liquid Ammonia since it was never handled at the MOPT in the past.
- (ii). Liquid Ammonia is expected to be handled and as such it is necessary to fix the rate for the same. M/s. Zuari Industries Limited (ZIL) are in the process of importing Liquid Ammonia through the MOPT.
- (iii). Rates prevailing in other Major Ports for handling the same product have been obtained; and, in parity with the wharfage rate for LPG (i.e. Rs.125), it has been decided by the Board of Trustees to adopt a provisional rate of Rs.150 per tonne subject to a review when the proposal for general revision of the Scale of Rates will be submitted for approval in 2002.

2.2. The proposal of the MOPT was circulated to the Goa Chamber of Commerce and Industry and M/s. Zuari Industries Limited for comments.

3.1. The comments received are summarised below:

M/s. Zuari Industries Limited (ZIL)

- (i). The wharfage charges levied by other Major Ports like the NMPT is Rs.85 per MT and it is our plea that the same may be made applicable at the MOPT also.
- (ii). All Minor Ports charge much lower wharfage; and, therefore, it will not be competitive with respect to other importer of Ammonia as fertiliser is a controlled commodity.

3.2. The Goa Chamber of Commerce and Industry has not sent any comments.

4. A joint hearing in this case was held at the MOPT in Goa on 29 January 2002. At the joint hearing, the following submissions were made:

Mormugao Port Trust (MOPT)

- (i). We want to introduce new cargoes. There is a cost to our 'marketing'. We want to introduce a new wharfage for Liquid Ammonia immediately.
- (ii). Handling of Liquid Ammonia is at a place close to habitation. It, therefore, involves safety considerations which have cost implications.
- (iii). No costing details have been given. It is a hazardous cargo like LPG. We have gone with reference to Rs.125/-PMT for LPG.

- (iv). We had to do a lot of social marketing due to public opposition to handle this cargo. We had to provide for extra safety measures. A rate comparable to that of LPG has been proposed in this backdrop.
- (v). We want to attract this cargo. We want to introduce the rate. The Board has increased the rate proposed with the argument that, if it is pitched higher right now, it will not be required to be increased at the general revision of tariff in March 2002.

M/s. Zuari Industries Limited (ZIL)

- (i). In the NMPT, the wharfage charge is Rs.85/- PMT. In all other Ports also the wharfage rates for Ammonia are similar. Only here it is proposed to be so high.
- (ii). There is no comparison between LPG and Liquid Ammonia. Do not go with reference to Rs.125/- for LPG and fix at Rs.150/- PMT.
- (iii). At the time of the general revision, any rationalisation required can be made.

5. With reference to the totality of information collected during the processing of this case, and bearing in mind the arguments advanced at the joint hearing, the following position emerges:

- (i). The MOPT Scale of Rates does not contain a specific wharfage charge for Liquid Ammonia. The highest wharfage rate for bulk commodities prescribed in the Scale of Rates of the MOPT is for LPG which is Rs.125 PMT. The Initial proposal was to levy this same rate on Liquid Ammonia also. The Board of Trustees of the MOPT, however, decided to adopt a provisional wharfage charge of Rs.150/- PMT on Liquid Ammonia. From the records made available by the MOPT, one of the factors considered to prescribe the proposed wharfage rate on Liquid Ammonia at a level higher than that of LPG is the cost saving to importers in transportation.
- (ii). The MOPT has not furnished any cost analysis justifying the proposed rate. It has simply gone by the rate available for LPG and the rates prevalent in other ports.
- (iii). It is to be recognised that Liquid Ammonia is a hazardous cargo and the Port has to provide for adequate safety measures for handling it. The MOPT has also mentioned about public opposition to handle this cargo and its efforts in social marketing to bring this cargo to the MOPT.
- (iv). The ZIL has objected to the comparison between the LPG and Liquid Ammonia. It has, however, not given any reasons why such comparison shall not be made.
- (v). This Authority has clarified in many other cases that the principles of tariff setting must be commonly applicable at all the major ports; but, the individual tariff rates need not (and, cannot) be the same across the ports. What is relevant for fixing a tariff is the cost of providing services at the port concerned. The issue of benefit accruing to users cannot be a reason to fix or revise a tariff item. This observation has already been made by this Authority in the context of an MOPT proposal for increasing tariffs citing the benefits accrued to the iron ore trade.
- (vi). Notwithstanding the general position maintained by this Authority as explained above, in the instant case, a reference is to be necessarily made to tariffs at other ports for three reasons. Firstly, costing details for handling liquid ammonia have not been made available by the MOPT. It has in fact expressed its inability to furnish costing details for handling one individual

commodity. Secondly, the MOPT has taken into consideration the wharfage rate for LPG as a base for fixing wharfage on liquid ammonia. The position obtaining in other ports in this regard requires to be analysed. Lastly, the MOPT itself admitted that it has considered the wharfage rates at other major ports before prescribing the proposed wharfage rate.

- (vi). Except in the MBPT, the wharfage rate for liquid ammonia is generally less than that for LPG in other ports. It is noteworthy that the wharfage schedules at some of the port do not contain a specific entry for liquid ammonia; and, hence, it may be classified under 'other liquid bulk'. A different position emerging at the MBPT may be due to the fact that LPG is handled at Jawahardeep whereas liquid chemicals are handled at its Pir Pau jetties. The differential at the other ports between the wharfage rates of Liquid Ammonia and LPG is in the range of 34% (at the NMPT) to 72% (at the TPT).
- (vii). From the position obtaining in other ports (except the MBPT), it becomes clear that there is no justification for prescribing the wharfage rate for liquid ammonia at a level higher than (or, even at the same level of) the wharfage rate for LPG. Considering the minimum differential of around 75% in the wharfage rates liquid ammonia and LPG, the wharfage rate for the former can reasonably be fixed around Rs.95/- PMT.

The existing wharfage schedule of the MOPT prescribes a rate of Rs.99/- per MT for all mineral oils / POL products with flash point below 76° F. Though liquid ammonia does not fall under this category, it seems reasonable to adopt the wharfage rate of Rs.99/- PMT considering the hazardous nature of the commodities listed as well as liquid ammonia.

- (b). The MOPT has not requested for retrospective approval to the proposed rate. Nevertheless, it has adopted the proposed rate of Rs.150/- PMT from November 2001 on the strength of a decision taken by its Board of Trustees. Since the rate approved now is less than the adopted rate, the user will be entitled to a relief to that extent; and, the MOPT will have to adjust its billing done. To facilitate this, this Authority is inclined to approve the wharfage rate on liquid ammonia with retrospective effect from November 2001.
- (x). The next general revision / review of the Scale of Rates of the MOPT is due in June 2002. The rate fixed for liquid ammonia may be reviewed at the time of next general revision / review. While formulating its proposal for next general revision / review, it may be reasonable for the MOPT to introduce volume discount scheme for handling liquid ammonia in particular and, for all bulk cargo in general.

6. In the result, and for the reasons given above, and based on a collective application of mind, this Authority approves a wharfage rate of Rs.99/- PMT on liquid ammonia with retrospective effect from November 2001. The MOPT is directed to incorporate the wharfage rate of liquid ammonia in its Scale of Rates appropriately.

S. SATHYAM, Chairman

[ADVT III/IV/143/Exty./2001]